

राजस्व अपील प्राधिकारी, जयपुर

तारीख हुकम

208
2020

एनुमान / कुशीना राम
हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

235

14/7/20

अपीलान्त अधिवक्ता उपस्थित।

कार्यालय रिपोर्ट होकर पत्रावली आज प्रस्तुत हुई। पत्रावली दर्ज रजिस्टर्ड करे। चूँकि पत्रावली में प्रार्थना पत्र केवियट पेश हुआ है अतः केवियटकर्ता को जरिये रजिस्टर्ड एडी नोटिस तलब किया जावे। पत्रावली दिनांक 16/7/20 को पेश हो।

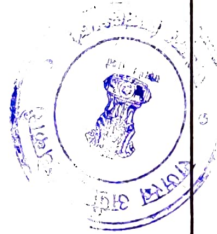
क.ने.
2952
14.7.20

16/7/20

पत्रावली प्रस्तुत हुई। कार्य - अपीलान्त उपस्थित।
आधीवक्ता केवियटकर्ता उपस्थित। उन्हे
नमल उपलब्ध करवाई गयी। पत्रावली
वास्तु बनाव/बहस प्रार्थना पत्र हल
दिनांक 21/7/20 को पेश हो।

21/7/20

पत्रावली प्रस्तुत हुई। कार्य - उपपक्ष उपस्थित।
आधीवक्ता केवियटकर्ता रिप्लो. ने बनाव
प्रार्थना पत्र स्वयमन पेश किया, जिसकी
नमल आधी-अपीलान्त को दिनांक
गयी। रिप्लो. स. 10, 11 व 13 की कोर्ट से
आधीवक्ता श्री मनीष पारीक ने बकायतनामा
पेश किया। आधीवक्ता उपपक्ष की बहस
प्रार्थना पत्र स्वयमन पत्र सुनी गयी।
दोशने बहस आधीवक्ता उपपक्षकारान्
ने लोकडाऊन की शर्तों में अधीनस्थ
न्यायालय द्वारा किये गये आदेश
दिनांक 03/6/20 एवम् 12/6/20 को
निरस्त करने एवम् पुनः उपपक्षों की
सुनवाई कर पुनः निर्णय किये जाने हेतु
अधीनस्थ न्यायालय को उचित विधि
किये जाने पर अपनी सहमति ब्यक्ति
की। अतः चूँकि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा
पुनः लोकडाऊन के दोशने आदेश
दिनांक 03/6/20 एवम् 12/6/20 परिल
किये गये हैं एवम् जिसको निरस्त किये
जाने पर उपपक्ष सहमत हैं। अतः पुनः
को सुनवाई पर परीक्षण किये जाने



राजस्व अपील प्राधिकारी, जयपुर

तारीख हुकम

208
2020

हनुमान / लुगलाराम
हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

मात्र उत्तरपत्रों की समीक्षा के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 03/6/2020 एम् 12/6/2020 को निरस्त किया जाकर उत्तर अधीनस्थ न्यायालय को इस निर्देश के साथ प्रेषित किया जाता है कि वे प्राथमिक पत्र द्वारा निवेदात्मक पर उत्तरपत्रों को सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान कर गुणागुण पर प्राथमिक पत्र द्वारा निवेदात्मक का निस्तारण करें। इस एड पर अपील स्वीकार की जाती है। उत्तरपत्रों को निर्देश प्रदान किये जाते हैं कि वे अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष दिनांक 07/8/2020 मत्र आदेश की जर्न सादर उपस्थित होकर अपना पत्र प्रस्तुत करें।

पत्रावली फंसल नुमां होकर वाद तन्मिल दाखिल इस्तर है। आदेश सुने न्यायालय में सुनाया गया।

राजस्व अपील प्राधिकारी
जयपुर

